नागपुर, बुधवार, 27 अगस्त 2025
तापमान. नागपुर, अधिकतम 32.8°C न्यूनतम 24.0°C
राष्ट्रबाण
# नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

आज घर-घर विराजेंगे श्रीगणेश

राष्ट्रबाण
# विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तापमान. नागपुर, अधिकतम 29.4°C न्यूनतम 24.4°C
नागपुर, बुधवार 27 अगस्त 2025

## यातायात पुलिस ने ओवरस्पीडिंग के आरोप में वाहनों को ज़ब्त किया

### मालिकों को लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजा

राष्ट्रबाण

**यवतमाल.** अमरावती यातायात पुलिस ने यवतमाल जिले में सैकड़ों वाहन मालिकों के वाहनों को 'ओवरस्पीडिंग' के आरोप में ज़ब्त कर लिया है. इस संबंध में, अमरावती पुलिस द्वारा इन वाहन मालिकों को लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजे जाने से हड़कंप मच गया है. अक्सर, ट्रैफ़िक पुलिस हाईवे पर इस तरह खड़ी हो जाती है कि कोई उसे देख न सके, तेज़ रफ़्तार से चलने वाले वाहन की तस्वीरें लेती है और उन्हें ई-चालान भेज देती है. पहले यह राशि एक से दो हज़ार हुआ करती थी. अब इसमें भी इज़ाफ़ा हो गया है. यवतमाल के वाहन मालिकों को अमरावती जाते समय हमेशा ऐसा ही अनुभव होता है.

यवतमाल से अमरावती जाने वाले वाहन मालिकों को अमरावती शहर के वैष्णव देवी रोड और वेलकम टी पॉइंट इलाके में निशाना बनाया जाता है. यवतमाल ज़िले (MH-29) में बड़ी संख्या में वाहनों पर तेज़ रफ़्तार से वाहन चलाने के लिए जुर्माना लगाया गया है. इनमें से सैकड़ों वाहन मालिकों को हाल ही में लोक अदालत में पेश होने के नोटिस मिले हैं. इन मामलों की सुनवाई 13 सितंबर को निर्धारित की गई है. इसी तरह, सभी वाहन मालिकों को ट्रैफ़िक पुलिस की ओर से एसएमएस के ज़रिए संदेश मिले हैं.

अक्सर आरोप लगते हैं कि चांदूर रेलवे के ज़रिए यवतमाल से अमरावती जाने वाले वाहनों को निशाना बनाया जा रहा है. यह भी स्पष्ट हो चुका है कि अमरावती पुलिस ने यवतमाल के वाहनों को निशाना बनाया है और तेज़ रफ़्तार से वाहन चलाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों पर जुर्माना लगाया है. इससे यवतमाल के नागरिकों के साथ भेदभाव की भावना पैदा हुई है.

# गड़चिरोली में शराबबंदी धोखाधड़ी

## इसकी समीक्षा होनी चाहिए ,खुले विचार-विमर्श सत्र में आम राय

राष्ट्रबाण

**गड़चिरोली.** जिले में पिछले 3 दशकों से शराब पर प्रतिबंध है. हालाँकि, इससे कुछ हासिल नहीं हुआ है. यह प्रतिबंध धोखाधड़ी है, और नकली शराब के कारण कई युवा अपनी जान गंवा रहे हैं. शराब की कमी के कारण पर्यटक जिले में नहीं आ रहे हैं. इससे रोजगार और राजस्व डूब रहा है. शराब बेचने के आरोप में युवाओं पर मामले दर्ज किए जा रहे हैं. प्रतिबंध के बावजूद, शराब हर जगह बिक रही है. इसलिए, प्रतिबंध की समीक्षा की जानी चाहिए, ऐसा स्वर खुले चर्चा सत्र 'विज़न गड़चिरोली 2025' में व्यक्त किया गया.

गड़चिरोली जिले के गठन की 43वीं वर्षगांठ के अवसर पर, विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे के 'ड्यूटी रूम' कार्यालय में दोपहर 12 से 2 बजे तक एक चर्चा सत्र आयोजित किया गया था. पूर्व सांसद अशोक नेटे, पूर्व विधायक डॉ. नामदेव उसेंडी, पद्मश्री डॉ. परशुराम खुणे, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश बारसागड़े, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल पोहनकर, अनिल तिड़के, वरिष्ठ नेता बाबूराव कोहले आदि उपस्थित थे.



विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे ने आश्वासन दिया कि जनता की अपेक्षाओं को सरकार के दरबार में स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर उनका समाधान करने के लिए उचित अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी. इस बीच, ज़िला गठन के बाद कुछ वर्षों तक प्रशासन की पहल पर कार्यक्रम आयोजित किए गए. इसमें ज़िले के विकास पर चिंतन और ज़िले की संस्कृति को देखने जैसी गतिविधियाँ लागू की गईं. हालाँकि, बाद में यह प्रथा बंद कर दी गई. 43वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं पालकमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिलेवासियों को शुभकामना संदेश भेजा. हालाँकि, जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया.

प्रकृति की प्रचुरता, वन वैभव से समृद्ध और आदिवासी परंपराओं व संस्कृति से परिपूर्ण गड़चिरोली जिला विकास के एक अलग ही मुकाम पर है. हालाँकि, जिले में इंजीनियरिंग और कानून की शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है. जिले में उद्योग स्थापित हो रहे हैं. हालाँकि, रोजगार सृजन हेतु शैक्षणिक सुविधाएँ आवश्यक हैं. साथ ही, उद्योगों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दिए जाने की अपेक्षा की गई. स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, बैंकिंग, कृषि, पर्यटन आदि क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने संगोष्ठी में भाग लिया. जिले के गठन के बाद चार दशकों की यात्रा के विभिन्न चरणों में हुई प्रगति, विकास के 'पिछड़ेपन' पर कई लोगों ने अपनी तीखी राय व्यक्त की. जिले का वन वैभव संरक्षित हो, उद्योग लगें. लेकिन, क्या इससे स्थानीय लोगों के जीवन में कोई बदलाव आ रहा है? ज़िले की प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रहनी चाहिए? इसके साथ ही, कई लोगों ने वनोपज आधारित रोज़गार सृजन, सिंचाई सुविधाओं से किसानों की प्रगति, एक सुसज्जित पुस्तकालय, एक प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन केंद्र, सभी सुविधाओं से युक्त एक उद्यान और आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करने वाला एक संग्रहालय बनाने की इच्छा भी व्यक्त की. गड़चिरोली के विकास को लेकर जनता की अपेक्षाओं को जानने के लिए यह पहल लागू की गई.

## फास्ट ट्रैक

### हिंदी विश्वविद्यालय के रिद्धपुर केंद्र पर मनाया सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी का अवतरण दिवस

राष्ट्रबाण

**वर्धा.** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिध्दपुर (क्षेत्रीय केंद्र) पर सोमवार, 25 अगस्त को सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी के अवतरण दिवस पर विशेष व्याख्यान एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में महंत वाईदेशकर बाबा द्वारा सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी के फोटो पर पुष्पार्पण किया गया. इस अवसर पर उन्होंने सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी का जीवन परिचय व कर्तृत्व को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन किया. इस दौरान केंद्र के प्रांगण में पौधारोपण किया गया. कार्यक्रम की प्रस्तावना केंद्र प्रभारी एवं एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. नीता मेश्राम ने रखी तथा संचालन रिद्धपुर केंद्र के समन्वयक अधिकारी एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत अनिल आंबेकर ने किया. विद्यार्थी हरीपाल राजेन्द्र पाचराऊत ने आभार माना. इस अवसर पर श्री गोविंद गुरुकुल आश्रम स्कूल के मुख्याध्यापक एस.एम. कोहळे, दिनेश राऊत, एन.डब्ल्यू राऊत, उज्ज्वला ठाकरे, के.पी. गोतरकर, एम.एस.धांदे, ज्ञानेश्वर जिचकार, दादाराव जावरकर, आकाश गजभिये, श्री महेश श्रीचंद राठोड, भूषण शिरभाते सहित विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

# पालकमंत्री पद छोड़ने का उन पर काफी दबाव था

## भोंडेकर ने सावकारे को लेकर किया बड़ा दावा

राष्ट्रबाण

**भंडारा.** महायुति सरकार ने भंडारा ज़िले के पालक मंत्री को बदल दिया है. भाजपा नेता और कपड़ा मंत्री संजय सावकारे, जो पहले पालक मंत्री थे, अब उनकी जगह राज्य मंत्री पंकज भोयर को नियुक्त किया गया है. सावकारे का तबादला कर दिया गया था और अब उन्हें बुलढाणा ज़िले के संयुक्त पालक मंत्री की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है. इस अप्रत्याशित फ़ैसले को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएँ चल रही हैं और अब शिवसेना शिंदे गुट के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने इस पर प्रतिक्रिया दी है.

**संजय ऋणदाताओं पर दबाव:** विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने कहा, मंत्री संजय सावकारे पर भंडारा के पालकमंत्री पद से इस्तीफ़ा देने का दबाव था. पिछले 10-15 दिनों से मैं सुन रहा था कि पालकमंत्री संजय सावकारे खुद भंडारा छोड़ने को तैयार थे. क्योंकि उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था. मैं उन समस्याओं के बारे में विस्तार से नहीं बताऊँगा. हालाँकि, वे पद छोड़ने के लिए तैयार थे. उन्होंने 2-3 बार पद छोड़ने की ज़िद भी की. वे कह रहे थे कि मुझे भंडारा नहीं चाहिए, मुझे यहाँ परेशानी हो रही है, मुझे मेरे पास का कोई ज़िला दे दो.शायद यह बदलाव उनकी ज़िद की वजह से आया.

नरेंद्र भोंडेकर ने कहा, हमें पिछली निधि में ज़रूरी राशि मिल रही थी. लेकिन इस साल हमें वह राशि नहीं मिली, इसलिए हमने दबाव डाला. अगर बाहरी ज़िलों के पालक मंत्री आते हैं, तो वे समय नहीं दे पाते. हमारी माँग है कि पालक मंत्री स्थानीय हों. बाहरी लोग हमें कितना समय दे सकते हैं?भोंडेकर ने यह भी कहा कि अगर पालक मंत्री से स्थानीय विधायकों को काम न देने के लिए कहा जा रहा है, तो यह ग़लत है.

### शायद भंडारा जिला उनसे बहुत दूर होगा: पंकज भोयर

भंडारा के पालक मंत्री नियुक्त होने के बाद पंकज भोयर ने कहा, मैं वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ. उन्होंने पिछले 6-7 महीनों से चल रहे काम पर ध्यान केंद्रित किया है और मेरी ज़िम्मेदारी बढ़ा दी है. वरिष्ठ नेतृत्व, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा दी गई ज़िम्मेदारी को पूरी तरह समझते हुए, मैं आने वाले समय में भंडारा ज़िले में अच्छे से काम करूँगा.

# भंडारा जिले के बदले गए पालक मंत्री

## संजय सावकारे की जगह राज्य मंत्री पंकज भोयर की नियुक्ति

राष्ट्रबाण

**भंडारा.** भंडारा जिले के पालक मंत्री को बदल दिया गया है. पहले यह ज़िम्मेदारी संजय सावकारे के पास थी. हालाँकि, अब उनकी जगह राज्यमंत्री पंकज भोयर को नियुक्त किया गया है. प्रशासनिक कारणों से ये बदलाव किए जाने की जानकारी महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी की गई है. राज्य सरकार ने भंडारा जिले के पालक मंत्री का पद बदलने का फैसला किया है. कपड़ा मंत्री संजय सावकारे पहले भंडारा के पालक मंत्री के तौर पर कार्यभार संभाल रहे थे. अब उनकी जगह गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर को भंडारा के नए पालक मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है. संजय सावकारे को बुलढाणा जिले के सहपालक मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है. संजय सावकारे के जिम्मेदारी में अचानक बदलाव क्यों किया गया? इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं है.

भंडारा के नए पालक मंत्री पंकज भोयर ने इस नई जिम्मेदारी के लिए वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उनके काम को देखते हुए अब उनकी ज़िम्मेदारी बढ़ा दी है. उन्होंने कहा है कि वरिष्ठ नेतृत्व, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा दी गई ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए, वो आने वाले दिनों में भंडारा जिले में अच्छे तरीके से काम करेंगे.

# चंद्रपुर में ओबीसी समुदाय का विरोध प्रदर्शन

## मराठा आरक्षण आंदोलन

राष्ट्रबाण

**चंद्रपुर.** मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे ने मुंबई की ओर विरोध मार्च शुरू किया है. हालाँकि, चंद्रपुर में इस कदम का कड़ा विरोध हो रहा है. चंद्रपुर शहर के वरोरा नाका चौक पर ओबीसी समुदाय द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान ओबीसी नेता अशोक जीवतोड़े के नेतृत्व में मनोज जरांगे के खिलाफ नारेबाजी की गई.

अशोक जीवतोड़े ने कहा कि मनोज जरांगे कुछ खास नेताओं के निर्देश पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और मुंबई जाकर मुख्यमंत्री पर निशाना साध रहे हैं. मराठा समुदाय को ओबीसी से आरक्षण देने का सवाल ही नहीं उठता. उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि केवल 'कुनबी' रिकॉर्ड धारकों को ही यह प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए, लेकिन सामान्य तौर पर मराठा समुदाय को ओबीसी प्रमाण पत्र नहीं दिया जाना चाहिए. इसके साथ ही जीवतोड़े ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक नेता आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए मनोज जरांगे को बढ़ावा देकर राज्य का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं.

# जिप और पंस चुनाव की तैयारी तेज़

## आरक्षण के लिए जल्दी करें,अधिसूचना जारी

राष्ट्रबाण

**अकोला.** जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए वार्ड संरचना की घोषणा के बाद, सरकार आरक्षण की दिशा में आगे बढ़ रही है. आरक्षण की अधिसूचना जारी कर दी गई है. सीटों का आरक्षण करते समय, सीटें अवरोही क्रम में इस प्रकार आरक्षित की जाएँगी कि उस जाति या जनजाति की जनसंख्या सबसे अधिक हो.

यदि जनसंख्या मानदंड लागू होता है, तो क्या पिछले चुनावों में आरक्षित सीटें आगामी चुनावों में भी आरक्षित रहेंगी और कितने चुनावों में? इन सवालों का स्पष्ट जवाब आरक्षण कार्यक्रम की घोषणा के बाद ही मिलेगा. फ़िलहाल, कई लोग डरे हुए हैं और कुछ के राजनीतिक रूप से विस्थापित होने की संभावना है. अगर ऐसा है, तो उनके लिए नए निर्वाचन क्षेत्र की तलाश का समय आ गया है. ओबीसी आरक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 6 मई को फैसला सुनाए जाने के बाद जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों का रास्ता साफ हो गया है.

### सीटें अवरोही क्रम में आरक्षित होंगी

आरक्षण संबंधी अधिसूचना में, सीटों के आरक्षण की चक्रानुक्रम व्यवस्था को हटाकर नियम बनाए जा रहे हैं. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें आरक्षित करने की प्रक्रिया तय की गई है. सीटें आरक्षित करते समय, सीटें अवरोही क्रम में इस प्रकार आरक्षित की जाएँगी कि उस जाति की जनसंख्या सबसे अधिक हो.यह भी कहा गया है कि यदि पिछले चुनावों में सीटें आरक्षित नहीं थीं, तो उन्हें अगले चुनावों में चक्रीय क्रम में रखा जाएगा. अधिसूचना में पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए सीटें आरक्षित करने की विधि का उल्लेख किया गया है. जिन सीटों के लिए पिछले चुनावों में सीटें आरक्षित नहीं थीं,

## मौसम

### नदी नालों में आया उफान; दोनों जिलों का संपर्क कटा

# वाशिम-बुलढाणा में जोरदार बारिश

**वाशिम.** महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में मानसून ने जोरदार दस्तक दी है. बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक वाशिम और बुलढाणा जिलों में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया. नदी-नालों में तेज उफान आने से दोनों जिलों के बीच का सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है. कई गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट गया है और लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.

मानसून के विदर्भ में दाखिल होने के 10 दिन बाद पश्चिम विदर्भ में जोरदार बारिश हो रही है. बुधवार को शुरू बारिश गुरुवार सुबह तक जारी रही. मौसम विभाग के अनुसार, सुबह आठ बजे तक जिले में 122.4 मिली मीटर बारिश हुई है. वहीं बुलढाणा जिले में 47 मिली बारिश दर्ज हुई. एक दिन में हुई इस मूसलाधार बारिश से जिले के सभी नदी नाले उफान पर हैं. बुलढाणा जिले के माड नी और आरेगांव में नदियों में बाढ़ आने के कारण मेहेकर का वाशिम जिले से संपर्क टूट गया है.

### मौसम विभाग की चेतावनी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने विदर्भ के अधिकांश जिलों में अगले 48 घंटों तक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है. साथ ही नागरिकों को नदियों और नालों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है. बिजली गिरने की घटनाओं की भी आशंका जताई गई है.

# 65 वर्षीय किसान 5 साल से कर रहा है जल संरक्षण विभाग का इंतजार

## 22 एकड़ जमीन तालाब में डूबी

राष्ट्रबाण

**बुलढाणा.** बुलढाणा जिले के किन्ही सवदत निवासी 65 वर्षीय किसान प्रकाश धुरंदर पिछले 5 सालों से तालाब में डूबी अपनी कृषि भूमि का मुआवज़ा पाने के लिए जल संरक्षण विभाग के कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं. उन्हें अभी तक अपनी कृषि भूमि का मुआवज़ा नहीं मिला है. आवेदन करने और कार्यालय के चक्कर लगाने में उन्होंने 50,000 रुपये से ज़्यादा खर्च कर दिए हैं.

किसान प्रकाश धुरंदर का वैरागढ़ में खेत है और वहाँ एक तालाब का निर्माण कार्य चल रहा है. इस तालाब के प्रभावित क्षेत्र में 22 गुंठा यानी लगभग 23,958 वर्ग फुट कृषि भूमि नष्ट हो गई है. कुआँ नष्ट हो गया है, नीबू के पेड़ नष्ट हो गए हैं.

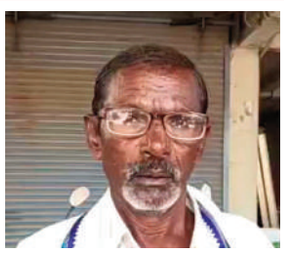



जल संरक्षण अधिकारी कभी-कभी उनसे कहते हैं कि 8 गुंठा खेती का पैसा लेने हैं तो कभी 12 गुंठा खेती का पैसा लेने को कहते हैं. किसान धुरंदर समय-समय पर अपनी पूरी कृषि भूमि का भुगतान मांग रहे हैं और उन्हें अधिकारियों से गोलमोल जवाब मिल रहे हैं. इसके अलावा, किसान धुरंदर का कहना है कि जल संरक्षण अधिकारी कभी कार्यालय में नहीं रहते. उन्होंने पूछा कि अब न्याय किसे और मांगें, कृषि का मुआवजा दिया जाए.

# उप निदेशक स्वास्थ्य का अचानक तबादला

## जनशक्ति आपूर्ति और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता समेत अन्य आरोप

राष्ट्रबाण

**अकोला.** स्वास्थ्य उपनिदेशक डॉ. कमलेश भंडारी पर अकोला जिला महिला अस्पताल में जनशक्ति आपूर्ति की निविदा प्रक्रिया में अनियमितताओं को बढ़ावा देने और लगभग 13 मुख्य नर्सों की शिकायतों को 15 दिनों से अधिक समय तक दबाए रखने का आरोप है. अकोला स्वास्थ्य मंडल के उपनिदेशक डॉ. कमलेश भंडारी का शनिवार को अचानक तबादला कर दिया गया. साथ ही, निविदा प्रक्रिया को अवैध रूप से लागू करने के दोषी पाए गए 3 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है.

अकोला मंडल स्वास्थ्य सेवा उप-निदेशक डॉ. कमलेश भंडारी का तबादला संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के पद पर किया गया है.



उनके कार्यकाल के दौरान जिला महिला अस्पताल की 13 मुख्य नर्सों की नियुक्ति, मानव संसाधन आपूर्ति के लिए अवैध निविदा प्रक्रिया और सीआरएम टीम के नाम पर वसूली तथा बड़ी संख्या में प्रतिनियुक्तियों की शिकायतें सुर्खियों में रहीं, इसलिए कार्यकाल पूरा होने से पहले ही उनका तबादला कर दिया गया.

इन सभी गंभीर मामलों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद, 3 वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया और उप स्वास्थ्य निदेशक का तबादला कर दिया गया. जिला महिला अस्पताल की जनशक्ति सहायता सेवाओं के लिए निविदा प्रक्रिया में 72 बोलीदाताओं ने भाग लिया था, लेकिन केवल चार बोलीदाता ही तकनीकी लिफाफा खोलने के योग्य थे और उनमें से केवल दो बोलियों को ही अंतिम घोषित किया गया.

# इस मिट्टी की गणेश मूर्ति की परंपरा 375 साल पुरानी है

राष्ट्रबाण



**अमरावती.** हर साल मिट्टी की मूर्ति की स्थापना, 10 दिनों तक धूमधाम से मनाया जाने वाला गणेशोत्सव और चतुर्दशी पर विसर्जन, गणेशोत्सव की सामान्य रस्में हैं. लेकिन अमरावती के तारखेड़ा इलाके के पाताला वाड़ा का देशमुख परिवार पिछले 375 सालों से एक अलग परंपरा निभा रहा है. यहाँ हर साल मिट्टी की मूर्ति बनाई जाती है. इसे गणेश चतुर्थी पर स्थापित किया जाता है और अगले साल के गणेशोत्सव तक यह मूर्ति पूरे साल पूजा के लिए मंदिर में रखी जाती है. उसके बाद गणेश चतुर्दशी पर इसका विसर्जन समारोह होता है. इस साल बनी मूर्ति अगले साल भी मंदिर में रहेगी.

**मंदिर में गणेश जी की स्थापना की कथा**

सन् 1640 और 1645 के बीच, गुजरात से एक संत मुनि महाराज तारखेड़ा क्षेत्र में आए. उस समय, वे देशमुख परिवार, जो देशमुख और पाटिल, दोनों उपाधियों से विभूषित थे, के पाताल महल में आते-जाते थे और धीरे-धीरे वहीं बस गए. इसी दौरान उन्होंने परिवार को गणेश चतुर्थी पर मिट्टी की गणपति प्रतिमा बनाकर स्थापित करने को कहा और चतुर्दशी के दिन उसी स्थान पर उसका विसर्जन करने का निर्देश दिया. गौरतलब है कि उन्होंने यह स्पष्ट किया था कि यह प्रतिमा परिवार का ही कोई सदस्य बनाएगा.

यह परंपरा 1650 में शुरू हुई, जब विक्रम देशमुख ने पहली मिट्टी की मूर्ति बनाई. तब से, देशमुख परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है, और वर्तमान में श्याम देशमुख मूर्ति निर्माण का काम संभाल रहे हैं.

### पारंपरिक विसर्जन

पहले इन मूर्तियों का विसर्जन मंदिर परिसर में ही होता था. जब यह उत्सव सार्वजनिक हो गया, तो गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन श्री अम्बा देवी और श्री एकवीरा देवी मंदिरों के निकट, तुलजागीर वाड़ा स्थित कुएँ में किया गया. गाजे-बाजे और धूमधाम से निकलने वाली शोभायात्रा में इस गणेश प्रतिमा को सम्मानपूर्वक स्थान दिया जाता है.

**पहले छोटी, अब पाँच फुट की मूर्ति**

शुरुआती दौर में गणेश जी की मूर्ति का आकार बहुत छोटा होता था. 1850 के बाद, हरिश्चंद्र पाटिल ने पहली पाँच फुट की मूर्ति बनाई. इस विशाल मूर्ति के कारण, यह गणेश जी अमरावती शहर में चर्चा का विषय बन गए और उन्हें 'हरिश्चंद्र पाटिल के गणेश' के नाम से जाना जाने लगा.पाताल का वाड़ा स्थित गणपति मंदिर भले ही देशमुख परिवार का निजी मंदिर है, लेकिन यह सभी भक्तों के लिए खुला रहता है. गणेशोत्सव के दौरान यहाँ एक बड़ा महाप्रसाद होता है, हर रात भजन होते हैं और इलाके के सभी लोग इस उत्सव में भाग लेते हैं. इसलिए, भले ही यह मंदिर निजी है, लेकिन यहाँ का दस दिवसीय गणेशोत्सव पूरी तरह से सार्वजनिक होता है.

# किसानों का जीवन-यापन का संघर्ष!

## पुल के अभाव में खेती के लिए जानलेवा सफ़र

राष्ट्रबाण



**बुलढाणा.** चिखली तहसील के अंचारवाड़ी भरोसा रोड पर सावित्री नदी पर पुल न होने के कारण, किसानों को अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार करके अपने खेतों तक पहुँचना पड़ रहा है. क्या सरकार और प्रशासन अपनी कुंभकर्णी नींद से तब जागेंगे जब इस वजह से किसी की जान जाएगी? सैकड़ों किसान और ग्रामीण गुस्से से यही पूछ रहे हैं.

इस नदी पर पुल बनाने की मांग बार-बार प्रशासन से की जा रही है. हालाँकि, अभी तक इस मांग पर विचार नहीं किया गया है. मानसून के दौरान किसान चार से पाँच महीने तक खेतों में नहीं जा पाते हैं. इस कारण कई लोगों के खेत परती रह जाते हैं. साथ ही, अगर बाढ़ आ जाए, तो किसानों के लिए अपने मवेशियों को चारा-पानी उपलब्ध कराना संभव नहीं होता. प्रशासन किसानों की इस गंभीर दुर्दशा पर ध्यान देता रहा है और ग्रामीण कई वर्षों से तुरंत पुल निर्माण की मांग करते रहे हैं. हालाँकि, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर है कि सरकार और जनप्रतिनिधि बलिराजा की आवाज़ नहीं सुन रहे हैं.

चिखली तालुका के अंचरवाड़ी भरोसा रोड से होकर गुजरने वाली गाँव की सड़क सीधे नदी के तल से होकर गुजरती है. इस वजह से भारी बारिश के दौरान पानी के तेज़ बहाव के कारण किसानों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. कई किसान कपास की खेती के साथ-साथ डेयरी फार्मिंग भी करते हैं. इससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है. कभी-कभी दूध निकालने के लिए चार-पाँच दिनों तक खेतों में जाना संभव नहीं होता है. जब नदी में बाढ़ आती है, तो किसानों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है. बार-बार फॉलोअप के बावजूद, इस सड़क के संबंध में कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं, किसानों ने यह भी कहा. ₹सड़क के बिना, हमारे पास कोई खेती नहीं है. इसलिए, सरकार को तुरंत पुल का काम शुरू करना चाहिए,₹ यह मांग की गई है.

**चिखली तहसील में भारी बारिश**

चिखली तहसील में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है. अगस्त महीने में दो बार हुई भारी बारिश के कारण नदियाँ और नहरें उफान पर थीं. अंचारवाड़ी की सावत्रा नदी भी उफान पर थी. उस समय किसान चार-पाँच दिनों तक खेतों में नहीं जा पाए थे. चूँकि यह समस्या हर साल मानसून के दौरान होती है, इसलिए किसानों ने इसके स्थायी समाधान की माँग की है.

# भालू के हमले में घायल पिता की मौत

## बेटा भी गंभीर, भालू ने भी तोड़ा दम

राष्ट्रबाण



**चंद्रपुर.** जुनोना गाँव में 23 अगस्त को भालू के हमले में पिता अरुण कुकसे और पुत्र विजय कुकसे गंभीर रूप से घायल हो गए. अस्पताल में इलाज के दौरान पिता अरुण कुकसे की मौत हो गई, वहीं हमलावर भालू की मौत से हड़कंप मच गया है.शनिवार, 23 अगस्त को चंद्रपुर के जुनोना गाँव में एक हृदय-विदारक घटना घटी. पिता-पुत्र अरुण कुकसे और विजय कुकसे रोज़ की तरह पत्ते लेने जंगल गए थे. अचानक झाड़ियों से एक भालू निकल आया और उन पर हमला कर दिया. ग्रामीणों के अनुसार, भालू बहुत आक्रामक था और उसने पिता-पुत्र को खूब नोचा.

ग्रामीणों ने लाठी-डंडों और शोर मचाकर भालू को भगाने की कोशिश की. लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद भालू ने दोनों को छोड़ दिया, लेकिन तब तक अरुण कुकसे गंभीर रूप से घायल हो चुका था. ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत पास के अस्पताल पहुँचाया, जहाँ अरुण की हालत गंभीर होने के कारण उसे एम्स नागपुर रेफर कर दिया गया. एम्स नागपुर के डॉक्टरों ने अरुण कुकसे को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन 26 अगस्त की सुबह उनकी मौत हो गई.

इस घटना से गाँव में शोक और दहशत का माहौल है. वहीं, उनका बेटा विजय अभी भी अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है. हमलावर भालू की भी मौत हो गई है. इससे वन विभाग में हड़कंप मच गया है.

# गडकरी के शहर में गड्ढे सड़क निर्माण में 'बाधक '

## नगर निगम तेजी से भर रहा गड्ढे

राष्ट्रबाण



**नागपुर.** शहर में सीमेंट कंक्रीट की सड़कें तो बन गई हैं, लेकिन कई इलाकों में अभी भी बड़ी संख्या में गड्ढे हैं. चूँकि नगर निगम इन गड्ढों को भरने में तेज़ी दिखा रहा है, इसलिए इस साल गणपति बप्पा को गड्ढों से होकर ही आना होगा. जहाँ एक ओर गणेश उत्सव चल रहा है, वहीं दूसरी ओर बप्पा जिस सड़क से होकर आएंगे, वहाँ गड्ढे हो गए हैं. शहर की कुछ मुख्य सड़कों और आंतरिक सड़कों पर गड्ढे हैं. सड़क पर गड्ढों के कारण भक्तों को इनमें से होकर ही रास्ता ढूँढना होगा.

शहर में पिछले आठ-दस सालों से सीमेंट की सड़कें बन रही हैं. ये सड़कें कुछ ही महीनों में टूट गई हैं. वहीं कुछ सड़कों का कंक्रीट निकलकर गड्ढों में बदल गया है. कई बस्तियों में आंतरिक सड़कें अभी भी सीमेंट कंक्रीट से बनाई जानी हैं. उन सड़कों की हालत खस्ता है. पिछले दो सालों से डामरीकरण नहीं हुआ है. साथ ही, सीवेज और जल-निवास कार्यों के लिए सड़कों को खोदकर बेतरतीब ढंग से भरा गया है. नतीजतन, जून से हो रही भारी बारिश के कारण इन सड़कों पर छोटे-छोटे गड्ढे हो गए हैं. नगर निगम प्रशासन सड़कों के गड्ढों को भरने में लापरवाही बरत रहा है. कुछ सड़कों का काम अधूरा पड़ा है. कुछ सड़कों का डामर उखड़ गया है. कुछ सड़कों पर बजरी उखड़ गई है, जिससे दोपहिया वाहनों के फिसलने का खतरा बना हुआ है. इससे श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं को परेशानी हो रही है.शहर में चौरसिया चौक, मोहन नगर, मानकापुर रिंग रोड, जाफर नगर के पास, मनीष नगर में एक फर्नीचर की दुकान के सामने बड़ा गड्ढा हो गया है. मनीष नगर में अजीत बेकरी के सामने सीमेंट की सड़क पर गड्ढा हो गया है. मारुति अपार्टमेंट, न्यू काटोल रोड, अकार नगर के पास, सुरेंद्र नगर नगर, विवेकानंद नगर, काटोल रोड, बैरमजी टाउन, (गड्ढे हो गए हैं), लाल जयराम मार्ग, सेंट जोसेफ कॉन्वेंट के पीछे, चिंचभुवन में आंतरिक सड़कें, (अमृत योजना में सीवर बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कें), इसके अलावा, जब से सीमेंट की सड़क पर काम चल रहा है, पहले की डामर की सड़क को खोद दिया गया है. जबकि कुछ डामर सड़कों में बड़े गड्ढे हैं.

शताब्दी चौक और रामटेके नगर के बीच सीमेंट की सड़क का काम चल रहा है बेसा चौक पर गड्ढों का साम्राज्य है. स्वामी समर्थ मंदिर से मनीषनगर जाते समय एक बड़े गड्ढे से होकर गुजरना पड़ता है. इस वजह से अक्सर दोपहिया वाहन चालक अपना संतुलन खो देते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं.

# गणेशोत्सव की पूर्व संध्या पर जिले में अलर्ट

राष्ट्रबाण

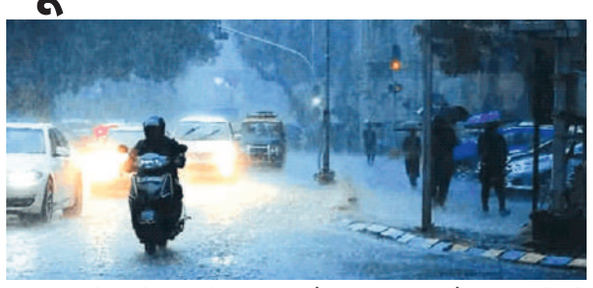



**नागपुर.**बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है और आज राज्य के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है. पूर्वी विदर्भ, उत्तर महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कोंकण और घाट में भारी बारिश की संभावना है. राज्य के 17 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है और शेष जिलों में हल्की बारिश के साथ बादल छाए रहने की संभावना है.मौसम मानसून की बारिश के लिए अनुकूल है और कोंकण, घाट और मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ में हल्की से भारी बारिश हो रही है. सोमवार को राजधानी मुंबई में भारी बारिश हुई, जबकि बाकी जगहों पर दिन भर बादल छाए रहने के साथ बारिश होती रही. आज कोंकण के पालघर, ठाणे, मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग जिलों के साथ-साथ पुणे के घाट और सतारा जिलों में भारी बारिश की संभावना है. मौसम विभाग ने उत्तर महाराष्ट्र के नंदुरबार, धुले, जलगाँव, मराठवाड़ा के हिंगोली, नांदेड़, पूर्वी विदर्भ के नागपुर, भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर, गढ़चिरौली जिलों में बिजली कड़कने के साथ बारिश की संभावना के चलते सतर्कता बरतने की चेतावनी भी जारी की है. राज्य के बाकी हिस्सों में हल्की बारिश के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है. गणेश जी के आगमन से पहले ही राज्य में भारी बारिश हो रही है. राज्य के कोंकण में भारी बारिश की संभावना है, जबकि उत्तर महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ में भी भारी बारिश की संभावना है. मंगलवार को राज्य के 17 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है.मुंबई शहर और उपनगरों में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा. मौसम विभाग ने मुंबई में कई जगहों पर मध्यम बारिश का अनुमान जताया है. मौसम विभाग ने 26 अगस्त के लिए मुंबई शहर और उपनगरों के साथ-साथ सात जिलों ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. पश्चिमी महाराष्ट्र में बारिश लौटने की उम्मीद है. पुणे के घाट इलाके में भारी बारिश और पुणे शहर में भी मध्यम बारिश की संभावना है.

### यौन उत्पीड़न और वित्तीय अनियमितता के आरोपों में

# नितिन थोरात निलंबित

## विदर्भ सिंचन विकास महामंडल (VIDC) के हैं अधिकारी

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** विदर्भ सिंचन विकास महामंडल (VIDC) के अधिकारी नितिन थोरात को गंभीर आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है. उनके खिलाफ एक महिला अधिकारी ने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस में मामला दर्ज हुआ और उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया गया.

जांच के दौरान मामला केवल यौन उत्पीड़न तक सीमित नहीं रहा बल्कि वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी सामने आए. आरोप है कि थोरात ने अपनी पत्नी और परिजनों के नाम पर फर्जी कंपनियां खड़ी कर सरकारी परियोजनाओं से धन की हेराफेरी की. इन कथित गड़बड़ियों का सीधा संबंध गोसीखुर्द पुनर्वास परियोजना से बताया जा रहा है. सूत्रों के अनुसार, इस पूरे प्रकरण में गोसीखुर्द परियोजना मंडल के अधीक्षण अभियंता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं. शिकायतों को दबाने और कार्रवाई रोकने के आरोप लगाए गए हैं. फिलहाल यह मामला जांच के अधीन है. वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित शिकायतें दीक्षानगरी कार्यालय को भेजी गई हैं, जहां से आगे की प्रक्रिया चल रही है. जांच एजेंसियों के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही वास्तविकता स्पष्ट हो पाएगी.

# शैक्षणिक संस्थान में छात्रों को अब 'स्वतंत्रता'

राष्ट्रबाण

**अकोला.** राज्य में सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के अंतर्गत भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्वाधार योजना उन विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही है जो पात्र तो हैं, लेकिन योग्यता की कमी के कारण सरकारी छात्रावासों में प्रवेश नहीं ले पाए हैं. इस योजना की एक शर्त के कारण, बड़ी संख्या में विद्यार्थी इस योजना के लाभ से वंचित रह जाते थे. अब इसमें बदलाव का निर्णय लिया गया है. अब जिस शिक्षण संस्थान में विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं, उस तालुका के विद्यार्थियों को भी 'स्वधार' योजना का लाभ मिलेगा. इस निर्णय से राज्य के अनेक विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है.सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को सरकारी छात्रावासों में प्रवेश दिया जाता है. राज्य में छात्रावासों की संख्या सीमित है. इसकी तुलना में, बाहर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिक है. इस कारण, बड़ी संख्या में विद्यार्थी छात्रावास सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं. भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर योजना अनुसूचित जाति और नवबौद्ध वर्ग के उन विद्यार्थियों को भोजन, आवास और अन्य शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी, जिन्हें 11वीं, 12वीं और उसके बाद व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को योग्यता की कमी के कारण प्रवेश नहीं मिल पाया है. इस योजना के अंतर्गत संबंधित विद्यार्थियों के खाते में एक निश्चित राशि जमा की जाती है. इस योजना का कई जगहों पर दुरुपयोग हो रहा था. परिणामस्वरूप, 26 दिसंबर, 2024 को योजना की शर्तों में संशोधन किया गया.इसमें प्रावधान किया गया कि विद्यार्थी उस संस्थान के शहर और तालुका का निवासी नहीं होना चाहिए जहाँ उसने प्रवेश लिया है. इससे तालुका के विद्यार्थियों को भारी असुविधा हो रही थी. इस प्रावधान में संशोधन की माँग छात्र संगठनों द्वारा की गई थी. अकोला के नितिन जामनिक ने समाज कल्याण मंत्री और आयुक्त को एक ज्ञापन देकर तालुका की इस शर्त को रद्द करने की माँग की थी. कहा गया था कि अनुचित शर्त के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य खतरे में है.लगातार मांग के बाद, सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग ने 13 अगस्त को एक सरकारी निर्णय लिया कि शर्तों में संशोधन किया जा रहा है. इसके अनुसार, अब भले ही जिस शिक्षण संस्थान में छात्रों ने प्रवेश लिया है, वह तालुका में स्थित हो, छात्र भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्वाधार योजना का लाभ उठा सकेंगे.

**दुर्दशा** | 2 साल से जर्जर हैं हालत

# तख्तापलट का कारण बने 'मेदिगड्डा' बांध का अस्तित्व खतरे में

राष्ट्रबाण



**गड़चिरोली.** महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा पर सिरोंचा तालुका के तट से बहने वाली गोदावरी नदी पर तेलंगाना सरकार द्वारा निर्मित 'मेदिगड्डा' बाँध, खंभों में दरार आने के कारण दो वर्षों से जर्जर अवस्था में है. इसने तेलंगाना विधानसभा चुनावों में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था. इसके कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को हार का सामना करना पड़ा था.

2022 में बाँध के तीन खंभों के ढह जाने के बाद राष्ट्रीय और राज्य तकनीकी समितियों ने बाँध को खतरनाक घोषित कर दिया था. तब से, बाँध के सभी द्वार खुले रखे गए हैं. इसके कारण पिछले दो वर्षों से बाँध में पानी नहीं रुक पा रहा है. मेदिगड्डा बाँध का निर्माण कालेश्वरम उपसा सिंचाई के अंतर्गत लगभग 80 हज़ार करोड़ रुपये की लागत से किया गया था. इस बाँध का उद्देश्य तेलंगाना के शुष्क क्षेत्रों को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराना था. हालाँकि, तीन खंभों के ढह जाने के कारण बाँध की संरचना अस्थिर हो गई है और बाँध पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया है.

तकनीकी निरीक्षण से पता चला है कि बांध के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था. संरचनात्मक दोषों की भी रिपोर्ट है. इससे बांध की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं और हालाँकि मरम्मत का काम चल रहा है, फिर भी पानी रोकने की अनुमति अभी तक नहीं मिली है.

इस कारण हर साल मानसून के दौरान सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. अब इस बांध के कारण भूकंप का संकट और गहरा गया है. गोदावरी बेसिन में आने वाला यह क्षेत्र भूकंप-प्रवण ज़ोन 3 में आता है. इसलिए, इस क्षेत्र में लगातार भूकंप का खतरा बना रहता है. यहाँ पहले भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे. लेकिन बाँध बनने के बाद, इसमें वृद्धि देखी जा रही है. पिछले चार वर्षों में, इस क्षेत्र में चार भूकंप आ चुके हैं.

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने कालेश्वरम उपसा सिंचाई योजना के अंतर्गत आने वाले मेदिगड्डा बांध के निर्माण में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाकर तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कड़ी आलोचना की थी. इस चुनाव में 'केसीआर' को पद छोड़ना पड़ा था. यह बांध गोदावरी नदी पर बनाया गया है, जो गढ़चिरौली में सिरोंचा तेलंगाना सीमा से होकर बहती है. इस बांध के निर्माण को लेकर शुरू से ही क्षेत्र के नागरिकों में भारी आक्रोश रहा है.

वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मामले की जाँच शुरू कर दी है और कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की है. साथ ही, इस बाँध के तकनीकी पुनर्मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञों और जल आयोग की मदद ली जा रही है. इस बीच, बाँध के निष्क्रिय होने से लाखों किसानों को पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है. इसका ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और पेयजल योजनाओं पर गहरा प्रभाव पड़ा है.

# कोंकण के लिए विदर्भ के लोगों को परेशानी

## लोगों की सुविधा के लिए 73 बसें

राष्ट्रबाण



**बुलढाणा.** गणपति उत्सव कोंकण क्षेत्र का सबसे बड़ा उत्सव है. मुंबई और उसके उपनगरों, यानी चकरमणि से लाखों कोंकणवासी गणेश उत्सव के लिए कोंकण स्थित अपने गाँव जाते हैं. यह परंपरा इस वर्ष भी जारी है. अब इन लाखों कोंकण भक्तों के लिए अपने गाँवों तक जाने और वापस आने के लिए उपलब्ध परिवहन व्यवस्था सीमित है. इसके लिए राज्य के विभिन्न जिलों से महाराष्ट्र परिवहन निगम की बसें बुलाई गई हैं. दस या बीस नहीं, बल्कि 73 बसें सुदूर बुलढाणा जिले में कोंकणवासियों की सेवा के लिए ली गई हैं.

इसमें जिले के बुलढाणा और मेहकर बस डिपो से 15-15, चिखली और मलकापुर डिपो से 10-10, खामगाँव और जलगाँव जामोद डिपो से 8-8 और शेगाँव डिपो से 7 एसटी बसें शामिल हैं. इसमें बुलढाणा मंडल को 42 सीटों वाली परिवर्तन बसें, अच्छी स्थिति में, बिना लीकेज वाली, निगम के मुंबई मंडल को भेजने के आदेश दिए गए हैं. हर दो बसों के लिए एक कंडक्टर और टिकट मशीन भेजने के भी आदेश थे. इसके तहत 23 अगस्त को पालघर मंडल के नाला सोपारा डिपो में 73 बसें भेजी गईं.बुलढाणा जिले में बसों की समय-सारिणी पहले से ही अपर्याप्त है.

# आज घर-घर विराजेंगे बप्पा

गणेश चतुर्थी के पूर्व नागरिक भगवान गणेश को अपने अपने घर ले जाते हुए भगवान श्रीगणेश बुधवार को शहर के विभिन्न घरों एवं अनेक स्थानों पर विधिवत पुजा के बाद विरोजमान होने जा रहे है. इसको लेकर शहर के आम नागरिकों में उत्सुकता और प्रसन्नता देखी जा रही है.भगवान गणेश दस दिनों तक पूरे धूमधाम के साथ भक्तों के घरों में विराजमान रहेंगे.

## फास्ट ट्रैक

### मनपा के निर्माल्य रथ का उद्घाटन

**नागपुर.** श्री गणेश के आगमन के साथ ही पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव मनाने के लिए नागपुर महानगर पालिका की पूरी मशीनरी तैयार है. खास बात यह है कि गणपति बप्पा के निर्माल्य से खाद बनाई जाएगी. निर्माल्य से वर्मीकम्पोस्ट बनाया जाएगा और इस खाद का इस्तेमाल पार्क/गार्डन में खाद के तौर पर किया जाएगा. इससे पार्क खाद से खिल उठेंगे. पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव के तहत मंगलवार को निर्माल्य रथों का उद्घाटन महानगर पालिका आयुक्त डॉ अभिजीत चौधरी ने किया. पर्यावरण-अनुकूल गणेश चतुर्थी के लिए, मनपा हर साल शहर के विभिन्न गणेश मंडलों से एकत्रित निर्माल्य को एक विशेष निर्माल्य कलश में एकत्रित करता है. हर साल, 10 ज़ोन में से प्रत्येक में एक, 10 निर्माल्य रथों की व्यवस्था की जाती थी. लेकिन इन रथों को मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए, इस वर्ष 9 अतिरिक्त रथ जोड़े गए हैं, और इस वर्ष दस ज़ोन में 19 निर्माल्य रथ उपलब्ध होंगे.

### बैंकों को करोड़ों का चूना , 5 आरोपी गिरफ्तार

**नागपुर.** वाठोड़ा पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है. आरोपी नकली रजिस्ट्री और दस्तावेज़ तैयार करके बैंकों को करोड़ों का चूना लगा रहे थे. इस पूरे गिरोह के पाँच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने बताया कि इस रैकेट ने अब तक लगभग 3 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है. खास बात इस गिरोह के मास्टर माइंड को पकड़ने के लिए पुलिस ने AI तकनीक का इस्तेमाल किया है. यह वो हाईटेक गैंग है जो नकली रजिस्ट्री और फर्जी दस्तावेज़ बनाकर बैंक से लोन लेती थी और फिर रकम आपस में बाँट लेती थी. इस पूरे फर्जीवाड़े की शुरुआत हुई OLX पर डाली गई एक फ्लैट बेचने की विज्ञापन से. आरोपी पहले फ्लैट मालिक से असली रजिस्ट्री की ज़ेरॉक्स कॉपी हासिल करते हैं और फिर उसी में नकली फोटो व दस्तावेज़ लगाकर नई रजिस्ट्री तैयार कर लेते.

## ढोल नगाड़ों के साथ बप्पा चले भक्तों के साथ

# शहर में गणेशोत्सव की धूम

### गणपति बप्पा मोरया....

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** उपराजधानी नागपुर में गणेशोत्सव का माहौल जोश और उल्लास से सराबोर है. मध्य नागपुर के चितर ओली क्षेत्र में गणेश भक्त ढोल-नगाड़ों और "गणपति बाप्पा मोरया" के जयघोष के साथ भगवान गणेश की प्रतिमाएँ लेकर निकल पड़े. पूरा इलाका भक्तों की भारी भीड़ से खचाखच भरा रहा. हर ओर भक्ति और उत्साह का ऐसा संगम था कि सड़कों पर कदम-कदम पर श्रद्धालुओं का उल्लास देखने लायक था. बच्चे, युवा और बुज़ुर्ग सभी ढोल-ताशों की थाप पर नाचते-गाते बाप्पा का स्वागत करते नज़र आए. शहर की सभी प्रमुख और विशाल गणेश प्रतिमाएँ चितर ओली में ही तैयार की जाती हैं और यहीं से पंडालों तक पहुँचती हैं. गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी अपने-अपने पंडालों में विराजमान होने वाली प्रतिमाओं को लेने पहुंचे. अंबाझरी का मोरया, धरमपेठ का राजा सहित शहर की तमाम बड़ी प्रतिमाएँ ढोल-नगाड़ों के साथ अपने गंतव्य की ओर रवाना हुईं. घरों में स्थापित होने वाली छोटी प्रतिमाएँ लेने भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे. कोई बाबुलगांव से ढोल-ताशा लेकर पहुंचा तो कोई अपने मंडल के साथ नाचते-गाते बाप्पा को लेने आया. हर ओर "गणपति बाप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया" के उद्घोष गूंजते रहे. भक्तिभाव और उत्साह से ओत-प्रोत माहौल ने पूरे परिसर को अद्भुत बना दिया.

### पुलिस की विशेष व्यवस्था

गणेशोत्सव के चलते नागपुर पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने विशेष यातायात व्यवस्था की है. जुनी मंगलवारी चौक पर बैरिकेड लगाकर मार्ग बंद किया गया है, वहीं केलीबाग रोड को वन-वे घोषित किया गया है. कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया ताकि मूर्तियों की रैली सुचारु रूप से निकल सके और जाम की स्थिति न बने.

# नप द्वारा खोदे गड्ढे में डूबने से 12 वर्षीय बालक की मौत

### काटोल में बड़ा हादसा: खानगांव कचरा डंपिंग यार्ड की घटना

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** नागपुर जिले के काटोल तहसील केखानगांव पारधी बेड़ा में आज सुबह करीब 10 बजे एक हृदयविदारक घटना घटी. जहां कटोल नगर परिषद के कचरा डंपिंग स्थल पर खोदे गए बड़े गड्ढों में जमा पानी में डूबने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई. मृतक बालक की पहचान विराट राणा पवार के रूप में हुई है. घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चे का शव बाहर निकाला. इस घटना से इलाके में शोक व्याप्त है और स्थानीय नागरिकों ने संबंधित कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. ज्ञात हो कि, नगर परिषद ने पारधी बेड़ा के पिछले हिस्से में कचरा डंपिंग के लिए गड्ढे खोदे थे. मानसून के दौरान इन गड्ढों में भारी मात्रा में पानी जमा हो गया था, जिससे खतरा पैदा हो गया था. विराट सुबह खेलते समय इस गड्ढे में गिर गया और उसकी मौत हो गई.

पुलिस ने घटनास्थल पर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और प्रारंभिक जाँच जारी है. आदिवासी पारधी समुदाय ने मामले की गहन जाँच की माँग की है. नगर परिषद और डंपिंग कंपनी की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

विराट की माँ माधुरी राणा पवार इस घटना से गहरे सदमे में हैं. स्थानीय पारधी समुदाय के सदस्यों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से वे इन गड्ढों को भरवाने और डंपिंग साइट को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग कर रहे हैं. इस संबंध में विधायकों, मंत्रियों, तहसीलदारों और संबंधित विभागों को भी ज्ञापन दिए जा चुके हैं. हालाँकि, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों ने मांग की है, इस दुर्घटना ने हमारे समुदाय के एक मासूम बच्चे की जान ले ली है. इन खतरनाक गड्ढों को तुरंत भरा जाए और कचरा डंपिंग कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए.

# कपास उत्पादकों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा : देशमुख

राष्ट्रबाण

दूसरी ओर, देश के कपड़ा उद्योग को अमेरिका द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ़ का असर न झेलना पड़े, इसके लिए कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क माफ़ कर दिया गया है. केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए दिया गया तर्क भी हास्यास्पद है. हालाँकि उनका कहना है कि इससे कपास किसानों को फ़ायदा होगा, लेकिन अमेरिकी टैरिफ़ के नाम पर कपास पर आयात शुल्क माफ़ सिर्फ़ इसलिए किया गया है ताकि कपड़ा निर्माताओं को देश में कम क़ीमत पर कपास मिल सके. पिछले साल आयातित कपास की गांठों की संख्या 27 लाख गांठ थी, जो पिछले पाँच सालों में आयात नहीं की गई थी. इससे कपड़ा कारखानों और कपास उत्पादकों को फ़ायदा हुआ.

**नागपुर.** राज्य में कपास का उत्पादन अधिक होने के बावजूद विदेशों से कपास का आयात किया जा रहा है. इसके लिए मोदी सरकार ने कपास पर आयात शुल्क भी समाप्त कर दिया है. वहीं दूसरी ओर, अमेरिका द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ का भारत के कपड़ा निर्यात पर असर न पड़े, इसके लिए कपास पर आयात शुल्क माफ कर दिया गया है. एनसीपी शरद चंद्र पवार पार्टी के नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि इससे केवल कपड़ा उद्योगों को फायदा होगा, लेकिन किसानों को दोनों से नुकसान हो रहा है. भारत में उत्पादित 25 प्रतिशत कपड़ा अन्य देशों को निर्यात किया जाता है. औसतन, एक वर्ष में भारत अन्य देशों को 35 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करता है. इसमें अकेले अमेरिका की हिस्सेदारी 12 अरब डॉलर की है. अमेरिका ने भारत के कपड़ा निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, जबकि दूसरी ओर, उसने चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और पाकिस्तान पर केवल 15 से 20 प्रतिशत टैरिफ लगाया. कहने की जरूरत नहीं कि इससे इन देशों के कपड़े की कीमतें कम और भारतीय कपड़ों की कीमतें ऊंची रहेंगी. इससे भारतीय कपास नहीं बिकेगा और कपास की ख़रीद पर असर पड़ेगा और माँग में कमी के कारण कपास की क़ीमत गिर जाएगी. केंद्र सरकार ने कपास का गारंटीकृत मूल्य 7,710 रुपये घोषित किया है. लेकिन फ़िलहाल बाज़ार में कपास को गारंटीकृत मूल्य से भी कम क़ीमत मिल रही है. इससे मूल उत्पादन लागत भी पूरी नहीं हो पा रही है. अमेरिका भारतीय वस्त्रों का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है. अनिल देशमुख ने यह भी आशंका जताई कि अगर केंद्र सरकार ने तुरंत इसका कोई हल नहीं निकाला, तो पहले से ही संकटग्रस्त कपास उत्पादकों को बड़ी आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा.

### मध्य नागपुर कांग्रेस कमेटी ने किया विधायक विकास ठाकरे का सत्कार

# कार्यकर्ता मनपा चुनाव की तैयारी में लगें : ठाकरे

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** मध्य नागपुर कांग्रेस कमेटी की ओर से पूर्व मंत्री अनीस अहमद व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रदेश व्यापारी व उद्योग सेल के अध्यक्ष अतुल कोटेचा के नेतृत्व में पश्चिम नागपुर के कांग्रेस विधायक विकास ठाकरे के निवास पर जाकर उनका भव्य सत्कार किया गया. इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अतुल कोटेचा ने विधायक विकास ठाकरे का गर्मजोशी से स्वागत, सत्कार किया और उनके दीर्घायु की कामना की. इस दौरान केक काटकर खुशी का इजहार किया गया और मिठाइयां भी बांटी गई. मध्य नागपुर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भी उनका स्वागत किया. विधायक विकास ठाकरे ने सभी का आभार मानते हुए कहा कि वे जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे. आगामी महानगर पालिका के चुनाव को देखते हुए राजनीतिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं. विधायक विकास ठाकरे ने कांग्रेस को इस बार मनपा में सत्ता में लाने पर जोर देते हुए सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को अभी से कार्य में जुट जाने के लिए कहा. अतुल कोटेचा ने कहा कि आगामी मनपा प्रभाग चुनाव को देखते हुए पार्टी के हर कार्यकर्ता में भारी जोश दिखाई दे रहा है. आम जनता भी केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों से बुरी तरह से त्रस्त हो चुकी है. बढ़ती महंगाई व बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए अब जनता भी बदलाव के मूड में नजर आ रही है. आगामी मनपा चुनाव में कांग्रेस को इसका फायदा अवश्य मिलेगा. विधायक विकास ठाकरे ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को कहा कि जनसेवा में जुट रहे, वार्ड की समस्याओं पर ध्यान दें, इससे वे जनता से सीधे जुड़े रहेंगे और आगामी मनपा चुनाव में उन्हें फायदा अवश्य मिलेगा.

विधायक विकास ठाकरे के सत्कार अवसर पर सर्वश्री रिंकू जैन, झुल्फ़िकार अहमद भुट्टो, रमेश पुणेकर, डॉ मेहुल अडवाणी, प्रकाश बानते, वसीम ख़ान, रवि पराते, आशीष दीक्षित,ब्लॉक प्रमुख गोपाल पट्टम, महेश श्रीवास, प्रमोद मोहाडीकर, दुर्गेश प्रधान, अभिजीत ठाकरे, मोंटी मुटकुरे, प्रमोद गारोड़ी, राजेश आत्राम, मयूर भोसकर, शमीम भादा, आशु लहाने आदि उपस्थित थे.

## परीक्षा

### दोनों के विकल्प बदले गए, परिणाम कुछ अंकों से घोषित

# MPSC के इतिहास में पहली बार 12 प्रश्न रद्द

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की लचर योजना का एक और उदाहरण सामने आया है. आयोग ने महाराष्ट्र ग्रुप-बी (अराजपत्रित) सेवा, संयुक्त (मुख्य) परीक्षा-2024 मुख्य उत्तर कुंजी की घोषणा की है. इसमें 12 प्रश्न रद्द कर दिए गए हैं. जबकि दो प्रश्नों के विकल्प बदल दिए गए हैं. ऐसे कुल 14 प्रश्नों में बदलाव से छात्रों के परिणामों पर बड़ा असर पड़ेगा और राज्य के हजारों छात्र चिंतित हैं. ज्ञात हो कि आयोग के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न रद्द किए गए हैं. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा 29 जून, 2025 को आयोजित महाराष्ट्र ग्रुप-बी (अराजपत्रित) सेवा, संयुक्त (मुख्य) परीक्षा-2024 की पहली उत्तर कुंजी उम्मीदवारों की जानकारी के लिए आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई थी. आयोग ने अभ्यर्थियों द्वारा प्रमाणित स्पष्टीकरणों के साथ ऑनलाइन प्रस्तुत आपत्तियों और विशेषज्ञों की राय पर विचार करने के बाद उत्तर कुंजी को अंतिम रूप दिया है. आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस उत्तर पुस्तिका में दिए गए उत्तरों को अंतिम माना जाएगा, इस संबंध में प्राप्त अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा और इस संबंध में कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा, कृपया ध्यान दें.इन सबके बाद छात्रों में भारी रोष व्याप्त है. यदि एमपीएससी जैसी महत्वपूर्ण संस्था द्वारा इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न बनाए जा रहे हैं, तो छात्र समाधान के लिए कहां जाएं? अब तक के इतिहास पर नजर डालें तो राज्य सेवा में अधिकतम बीस प्रश्न बदले या रद्द किए गए हैं. उसके बाद आज जारी उत्तर पुस्तिका में बारह प्रश्न रद्द किए गए हैं और ग्रुप बी मुख्य परीक्षा में दो बदलाव किए गए हैं, कुल 14 प्रश्नों की अदला-बदली की गई है. अब, संबंधित परीक्षार्थियों को अंतिम उत्तर पुस्तिका जारी होने तक बेसब्री से इंतज़ार करना होगा; खासकर उन परीक्षार्थियों को जिनके पहले उत्तर पुस्तिका में अच्छे अंक हैं. आयोग को यह समझना चाहिए कि रद्द किए गए प्रश्नों के कारण अंकों में उलटफेर का मुख्य शिकार मेधावी ही होते हैं.परीक्षा के लिए पढ़ाई करें, फिर अच्छा पेपर दें और फिर आयोग के विशेषज्ञों द्वारा की गई गलतियों के लिए बाज़ार से सबूत ढूँढ़ें, यह नया काम आयोग के विशेषज्ञों ने अभ्यर्थियों को दे दिया है, जो अनुचित है. किसी बच्चे से सिर्फ़ नैतिकता का पेपर लेना ही लाभदायक नहीं है, हमें अपनी नैतिकता और अपने काम की नैतिकता भी बनाए रखनी चाहिए.

### परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के क्या आरोप हैं?

- आयोग की अंतिम उत्तर पुस्तिका को अनजाने में हुई गलती/मुद्रण त्रुटि कहने का समय बीत चुका है.
- हाल ही में रद्द/बदले गए प्रश्नों (राज्य सेवा: 20, ग्रुप बी मुख्य: 14) की संख्या को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि अब विशेषज्ञों की विशेषज्ञता की परीक्षा लेने का समय आ गया है.
- गतिशील और पारदर्शी होने का दिखावा करने वाले आयोग के विशेषज्ञ यदि छात्रों के सामने किताबें रखकर उनमें गलतियाँ बता रहे हैं, तो यह संवैधानिक आयोग की प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं है.

# पारशिवनी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई

### करीब डेढ़ करोड़ रुपये का माल जब्त

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** जिले की पारशिवनी तहसील की ग्राम पंचायत पालोरा घाट से हो रहे अवैध रेती उत्खनन को लेकर पारशिवनी पुलिस एवं स्थानीय अपराध शाखा की संयुक्त टीम द्वारा की गई कार्रवाई में 1 करोड़ 42 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त किया गया है. अपराध शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक मनोज गदादे के नेतृत्व में पेंच नदी के पालोरा रेती घाट में की गई छापामार कार्रवाई में 2 ट्रक, पोकलेन मशीन,जेसीबी मशीन, मोबाइल एवं 140 ब्रास रेती को मिलाकर कुल 1 करोड़ 42 लाख 40 हजार रुपए का माल जब्त किया गया है. इस रेती चोरी का सरगना कमर अहमद सिद्दीकी एवं तबरेज अहमद सिद्दीकी बताया गया है. इस कार्रवाई में पुलिस ने निकेश नारायण सिंह, अमित देशमुख, मोहम्मद कमर ताजुद्दीन खान, राजेन्द्र शेंडे,सुजाद अहमद सिद्दीकी सहित कुल 5 को गिरफ्तार किया गया है. घटना की जानकारी मिलने पर पारशिवनी तहसीलदार सुरेश वाघचवरे एवं उनकी टीम ने भी दौरा किया.